मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 19 मार्च 2019

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	20/03/19	21/03/19	22/03/19	23/03/19	24/03/19
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	33	34	34	34	34
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	16	16	17	17	18
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	2	2	1	2	2
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	81	82	83	80	80
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	26	24	27	26	28
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	4	5	6	4	6
हवा की दिशा	पश्चिम	उत्तर	उत्तर–उत्तर–पश्चिम	पूर्व–उत्तर–पूर्व	पूर्व–दक्षिण–पूर्व

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
जीरा	कटाई	जीरे की फसल पकाव की अवस्था पर है पकी फसल की कटाई करें तथा सुरक्षित स्थान पर रखें।
कुष्माण्ड कुल की सब्जियां	वानस्पतिक	कुष्माण्ड कुल की सब्जियों में बुवाई के 25–30 दिन बाद 30 किग्रा नत्रजन प्रति हैक्टर की दर से सिंचाई के साथ दें।
सरसों	कटाई	सरसों की पकी हुई फसल की कटाई व कढाई का कार्य पूरा करें।
भिंडी	वानस्पतिक	शुष्क मौसम को ध्यान में रखते हुए भिंडी की फसल में 5–6 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करें।
मिर्च	रोपाई	मिर्च की रोपाई से पूर्व खेत में 75 कि.ग्रा. नत्रजन, 100 कि.ग्रा. फास्फोरस व 80 कि.ग्रा. पोटास प्रति हैक्टेयर की दर से दें। मिर्च के पौधें बुवाई के 4–5 सप्ताह बाद रोपाई योग्य हो जाते है ग्रीष्मकालीन फसल में कतार से कतार की दूरी 60 से.मी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 30 से.मी. रखें।
पशु		पशुओं में खुर एवं मुंहपका रोग के प्रति टीकाकरण कराएं। रोगी पशु के छालो को 0.1 प्रतिशत लाल दवा के घोल से धोएं।

(नौडल ऑफीसर)